2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय 432037

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
भूगोल	1 2 0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का ... 1558983

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल,माध्य...
...ECONDARY...

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

...कों में

2	2	4	3	3	3	5	9	5

शब्दों में

दो	दो	चार	तीन	तीन	तीन	पाँच	नौ	पाँच

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	...			

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में ☒ शब्दों में ☒

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 07

ग – परीक्षा की दिनांक 09 | 03 | २२

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई सेकण्डरी (+2) परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
सुनील गौर (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Smt. I. V. Lilhore (Lect.) V. No. 106 Govt. Exce. BETUL Mob. 9......	VINEETA WALKE(U.M.S.) Govt.H.S.S.LALAWADI Mob.- 9584949327 V.No.- 432

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्ताकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्ताक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

... प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

विशेष नोट :- सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

प्रश्न क्र.

प्रश्न 1 का उत्तर.

(अ) (ii) सिंधु घाटी

(ब) (ii) यूरोप

(स) (iii) चतुर्थ क्रियाकलाप

(द) (i) पूंजीवाद

(इ) (ii) भूमध्य सागरीय कृषि

प्रश्न २ का उत्तर

(अ) 60

(ब) क्षुधित

(स) असम

(द) महाराष्ट्र

(इ) संयुक्त राष्ट्र संघ के संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने

(फ) उच्च

MPBS

योग पूर्व पृ 3 + पृ =

3

प्रश्न क्र.

प्रश्न 3 का उत्तर

(i) भौगोलिक सूचना स्त्रोत - यात्रियों के विवरण

(ii) विकसित ~~कृषि~~ देश - मृत्युदर कम

(iii) कृषि - प्राथमिक क्रियाएँ

(iv) अंतर्राष्ट्रीय संचार - कृत्रिम उपग्रह

(v) आर्थिक विकास - ~~द्वि द्वितीयक क्रियाएँ~~ श्रम संगठन द्वारा

प्रश्न 4 का उत्तर

(i) जनसंख्या वृद्धि का सबसे खराब परिणाम आधारभूत सुविधाओं व संसाधनों की अपर्याप्तता है।

(ii) भोपाल, मध्यप्रदेश का प्रशासनिक नगर (राजधानी) है।

(iii) भारत का सुनहरा रेशा जूट (पटसन) को कहते हैं।

(iv) जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का दूसरा स्थान है।

(v) सतत पोषणीय विकास का उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्याप्त विकास के अवसर संरक्षित करना है।

(vi) भारत का सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादक राज्य मध्यप्रदेश है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न 5 का उत्तर

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

प्रश्न 6 का उत्तर

मानव तथा पृथ्वी के मध्य संबंधों के अध्ययन को मानव भूगोल कहते हैं।

मानव भूगोल के उपक्षेत्र :—

घो[…]	सामाजिक भूगोल	आर्थिक भूगोल	राजनैतिक भूगो[…]
उपक्षे[…]	• व्यवहारवादी भूगोल	• कृषि भूगोल	• निर्वाचन भूगोल
	• सांस्कृतिक भूगोल	• उद्योग भूगोल	• सैन्य भूगोल
	• लिंग भूगोल	• पर्यटन भूगोल	

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न 7 का उत्तर

वे आर्थिक क्रियाएँ जो प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति से संबंधित होती हैं प्राथमिक क्रियाएँ कहलाती हैं।
प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले व्यवसाय :-
1. कृषि 2. भोजन संग्रह 3. पशुपालन
4. उद्यानिकी 5. आखेट

प्रश्न 8 का उत्तर

किसी देश की कुल आयात व निर्यात की गयी वस्तुओं तथा सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के अन्तर को व्यापार संतुलन कहते हैं।
आयात, निर्यात से अधिक होने पर प्रतिकूल (हानि का) व्यापार संतुलन तथा निर्यात, आयात से अधिक होने पर अनुकूल (लाभ दायक) व्यापार संतुलन होता है।

प्रश्न 9 का उत्तर

रोपण कृषि ~~भ~~ मुख्य रूप से यूरोपीय देशों द्वारा अपने उपनिवेशों में की गयी।
रोपण कृषि के उदाहरण :-
कॉफी कोकोआ (फ्रांस द्वारा अफ्रीका में)
चाय (ब्रिटेन द्वारा भारत, श्रीलंका में)
नारियल, गन्ना, रबड़ (स्पेन, अमरीका द्वारा मलेशिया व

प्रश्न क्र.

फिलीपींस में)

प्रश्न 10 का उत्तर

ऐसे क्षेत्र जो अधिक जनघनत्व वाले तथा मुख्य रूप से द्वितीयक व तृतीयक क्रियाकलाप करने वाले लोगों के निवास स्थल होते हैं, नगर कहलाते हैं।

M

नगरों के प्रकार :-

P

जनसंख्या के आधार पर

(i) महानगर - ऐसे नगर जिनकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक व 50 लाख से कम हो महानगर कहलाते हैं। जैसे - मुम्बई, चैन्नई।

E

(ii) विराट नगर - ऐसे नगर जिनकी जनसंख्या 50 लाख या इससे अधिक हो, विराट नगर कहलाते हैं। जैसे - लन्दन, टोक्यो।

विशिष्ट क्रियाकलाप के आधार पर

(i) औद्योगिक नगर - ऐसे नगर जो मुख्य रूप से उद्योगों तथा इसके संबंधित क्रियाकलाप में संलग्न होते हैं। जैसे - रानीगंज, जमशेदपुर।

(ii) धार्मिक नगर - ऐसे नगर जो धार्मिक - सांस्कृतिक आस्था के केन्द्र होते हैं। जैसे - मक्का, ~~उज्ज~~ उज्जैन।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न 11 का उत्तर (अथवा)

आप्रवास -> जब प्रवासी अपने मूल स्थान को छोड़कर अन्य किसी स्थान पर निवास के लिए आते हैं तो इसे आप्रवास कहते हैं। यह अपकर्ष कारकों जैसे शिक्षा व रोजगार के बेहतर अवसर शांति, अनुकूल जलवायु आदि के कारण होता है।
जैसे - भारत में बांग्लादेशियों का आना तथा अमेरीका में भारतीयों का आना।

प्रश्न 12 का उत्तर

मानव बस्ती -> वह क्षेत्र जहाँ मानव आवासों का एक समूह होता है जहाँ विभिन्न परिवार रहते हैं मानव बस्ती कहलाता है। यह मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है - ग्रामीण तथा नगरीय।

हडसन के अनुसार - "भूमि का वह भाग जो मानव निवास के उद्देश्य से प्रयुक्त किया जाता है, मानव अधिवास कहलाता है।"

M
P
B
S

प्रश्न क्र.

प्रश्न 13 का उत्तर

प्रदूषण के प्रकार :-

(i) जल प्रदूषण - जल में हानिकारक व अवांछनीय पदार्थों का इस सीमा तक मिल जाना कि वह मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो जाए जल प्रदूषण कहलाता है।

(ii) वायू प्रदूषण - जब वायु में धूल, धुआँ, हानिकारक गैसें आदि मिल जाती है तो इसे वायु प्रदूषण कहते हैं।

(iii) ध्वनि प्रदूषण - जब ध्वनि इतनी अधिक बढ़ जाए जो मानव की सहनशीलता से बाहर हो तथा विभिन्न रोगों का कारण बन जाए तो इसे ध्वनि प्रदूषण कहते हैं।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न 14 का उत्तर

ग्रामीण जनसंख्या	शहरी जनसंख्या
(i) ग्रामीण लोग मुख्यतः प्राथमिक व्यवसाय में संलग्न होते हैं।	(i) शहरी जनसंख्या द्वितीयक तथा तृतीयक क्रियाओं में अधिक संलग्न होती है।
i) ग्रामीण जनसंख्या अपेक्षाकृत कम पढ़ी-लिखी होती है	(ii) शहरी जनसंख्या अधिक साक्षर होती है।
ii) ग्रामीण जनसंख्या में सामाजिक जुड़ाव व भाईचारा अधिक होता है।	(iii) शहरी जनसंख्या के सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं।
(iv) ग्रामीण जनसंख्या को स्वास्थ्य, शिक्षा आदि सुविधाओं का कम लाभ मिल पाता है	(iv) शहरी जनसंख्या हर प्रकार के शासकीय व विकास के अवसरों का उपयोग करती है

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न 15 का उत्तर (अथवा)

जब दो देशों के मध्य सीमा के आर-पार वस्तुओं व सेवाओं का ऐच्छिक आदान-प्रदान होता है तो इसे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।

कई कारणों से विभिन्न राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार इस प्रकार हैं:-

- प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता - भिन्न देशों में प्राकृतिक पदार्थ जैसे खनिज, विशिष्ट वृक्ष अथवा मृदा आदि होते हैं वे अन्य देशों के साथ इनका निर्यात करते हैं क्योंकि हर देश व भौगोलिक इकाई की अपनी विशिष्टता होती है। इस प्रकार ये प्राकृतिक संसाधन व्यापार को आधार प्रदान करते हैं।

- जलवायु - भिन्न-भिन्न जलवायु में अलग-अलग प्रकार की वनस्पति तथा प्राणी रहते हैं जिससे वे देश अन्य देशों से अपनी विशेष फसलों आदि का व्यापार करते हैं। जैसे - ऊन शीत जलवायु में ही उत्पादित होती है वहीं केला उष्ण जलवायु की फसल है।

- परिवहन सुविधाएँ - किसी भी प्रकार की वस्तु के आदान-प्रदान के लिए एक सुगठित व सक्षम परिवहन व्यवस्था का होना अति आवश्यक है। अतः अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार इस बात पर भी निर्भर करता है कि उस देश में परिवहन सुविधाएँ

MPBSE

प्रश्न क्र.

कितनी सरल अथवा दुर्गम है। जैसे - भारत के पास लम्बी तटरेखा होने के कारण उसका अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार अधिक परिमाण वाला है।

सांस्कृतिक कारक - विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प तथा अन्य वस्तुएं विशेष संस्कृतियों में प्रारंभ हुई है। इस प्रकार किसी देश की जनसंख्या की सांस्कृतिक विशेषताएं भी व्यापार को आधार प्रदान करती हैं। जैसे - इंडोनेशिया का बटिक वस्त्र, ईरान की कालीन।

प्रश्न 16 का उत्तर

जब व्यक्ति अपने जन्म स्थान को छोड़कर अन्यत्र कहीं बस जाता है तो इसे प्रवास कहते हैं। प्रवास स्थायी, अस्थायी व मौसमी हो सकता है।
प्रवास से देश के भीतर जनसंख्या का पुनर्वितरण होता है। प्रवास के कई परिणाम हैं जैसे -

- नवीन विचारों का प्रसार - प्रवास के कारण नियोजन, बालिका शिक्षा, आर्थिक विकास तथा अन्य नये विचारों का प्रसार हर क्षेत्र तक होता है। इस प्रकार ये किसी क्षेत्र की वैचारिक समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

- **संस्कृतियों का सम्मिश्रण** - प्रवास से भिन्न-भिन्न स्थानों पर जन्मे भिन्न संस्कृति वाले लोगों का परस्पर सम्मिश्रण होता है जिससे संकीर्ण विचारों व जातिगत भेदभाव को कम करने में सहायता मिलती है।

- **लिंगानुपात पर प्रभाव** - पुरुषों व स्त्रियों के भिन्न-भिन्न सामाजिक-आर्थिक कारणों से चयनित प्रवास होता है जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र विशेष में स्त्रियों व पुरुषों का लिंगानुपात प्रभावित होता है। साधारणतया ग्रामों में महिलाओं व नगरीय क्षेत्रों में पुरुषों का प्रतिशत बढ़ जाता है।

- **नगरीय सुविधाओं में कमी** - आर्थिक लाभ तथा अन्य कारणों से ग्रामीण जनसंख्या का नगरों की ओर प्रवास बढ़ता जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप नगरों में आवास की कमी, प्रदूषण, मलिन बस्तियों का विकास आदि बढ़ गए हैं।

B
S
E

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न 17 का उत्तर

भारत एक विकासशील कृषि प्रधान है यहाँ की 54% से अधिक जनसंख्या कृषि व अन्य प्राथमिक व्यवसायों में संलग्न है। भारतीय किसान लगातार प्रगति कर रहा है फिर भी भारतीय कृषि की कई समस्याएँ हैं।

भारतीय कृषि की मुख्य समस्याएँ इस प्रकार हैं:-

- मानसून पर निर्भरता - भारत में कृषि मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर है। कुछ राज्यों को हरित क्रांति के फलस्वरूप सिंचाई सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं परन्तु फिर भी अधिकांश राज्य मानसून में होने वाली वर्षा पर निर्भर रहते हैं जिससे कम या अधिक वर्षा होने पर फसलों के खराब होने की संभावना बनी रहती है। भारत में सूखा तथा बाढ़ दोनों ही कृषि की मुख्य समस्याएँ हैं।

- निम्न उत्पादकता - भारतीय कृषि अधिकांशतः परम्परागत साधनों पर निर्भर है। जिससे उत्पादकता में उत्तरोत्तर वृद्धि नहीं हो पाई है। भारत का प्रति ईकाई उत्पादन अमेरिका व जापान जैसे देशों के प्रति ईकाई उत्पादन से बहुत कम है। उपजाऊ मृदा व अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद एवं कृषि विकास में कमी के कारण भारत की उत्पादकता निम्न है।

MPBSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

- **वाणिज्यीकरण का अभाव** - भारत में आज भी कृषि मुख्य रूप से कृषकों द्वारा अपने भोजन व जीवन निर्वाह के लिए की जाती है। कृषि का उचित वाणिज्यीकरण न होने के कारण कृषकों को अपने श्रम का सही लाभ नहीं मिल पाता तथा वे व्यापक रूप से व्यापारिक क्रियाएँ नहीं कर पाते।

- **छोटे खेत व विखण्डीत भूजोत** - भारत में 60% से अधिक कृषकों के पास एक हेक्टेयर से कम भूमि है जिससे खेतों का आकार बहुत छोटा है। कई राज्यों में एक बार भी चकबंदी नहीं हुई है तथा जहाँ चकबंदी हो चुकी है वहाँ भी पुनः इसकी आवश्यकता है क्योंकि नई पीढ़ियों के विभाजन के कारण भू-जोत पुनः विखण्डित हो गए हैं।

- **भूमि सुधारों में कमी** - भूमि सुधार में कमी तथा अनियमित ~~भू-राज्य~~ भू-राजस्व प्रणाली के कारण कृषकों को हानि उठानी पड़ती है। रैयतवाड़ी, महालवाड़ी तथा जमींदारी आदि प्रथाओं द्वारा ब्रिटिशों ने भारतीय किसान का शोषण किया। आज भी राजनीतिक रूप से बड़े जमींदारों का प्रभाव होने के कारण अपने निहित राजनीतिक लाभों के कारण सरकारें उचित भूमि सुधार के ~~कदम~~ कदम उठाने में कोताही बरतती है।

P B S E

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

MPBSE

प्रश्न 18 का उत्तर (अथवा)

इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र परियोजना कँवर सेन द्वारा अभिकल्पित की गई। इससे मुख्य रूप से पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्रों को लाभ मिला। यह पंजाब के हरिके बांध से निकलती है।

इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने के उपाय इस प्रकार हैं:-

- **जल प्रबंधन नीति का क्रियान्वन** – कमान क्षेत्र में जल प्रबंधन प्रणाली का कठोरता से क्रियान्वन किया जाना चाहिए। सिंचाई के लिए लिफ्ट तंत्र तथा अन्य उन्नत प्रणालियों द्वारा जल का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

- **फसलों का वर्गीकरण** – इस क्षेत्र में जल के कम उपयोग को ध्यान में रखते हुए परम्परागत अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों के स्थान पर कम जल में उगने वाली फसले जैसे मक्का, बाजरा तथा खट्टे फलों की बागानी कृषि की जानी चाहिए।

- **विकास कार्यक्रम ~~लागू~~ लागू करना** - कमान क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यक्रमो जैसे नालों को पक्का करना, नालियों का निर्माण, पाइपलाईन सुधार आदि के द्वारा जल की बर्बादी को कम करने के उपाय किए जाने ~~चा~~ चाहिए।

प्रश्न क्र.

• विपणन व अन्य आर्थिक क्रियाएँ - केवल कृषि के द्वारा इस क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। इसके साथ ही विभिन्न कुटिर उद्योग विपणन तथा व्यापार आदि क्रियाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

• जन जागरूकता अभियानों द्वारा - नहर कमान क्षेत्र के लोगों को इस क्षेत्र की विशेष भौगोलिक तथा स्थानिक परिस्थिति से अवगत कराते हुए विकास के विशिष्ट अवसर के प्रति जागरूक ~~किया जाना~~ करना होगा जिससे वे वृहद लाभ की ओर उन्मुख हो सके।

M P B S E

center

Question No. 20
प्रश्न नं. 20

प्रश्न २० का उत्तर

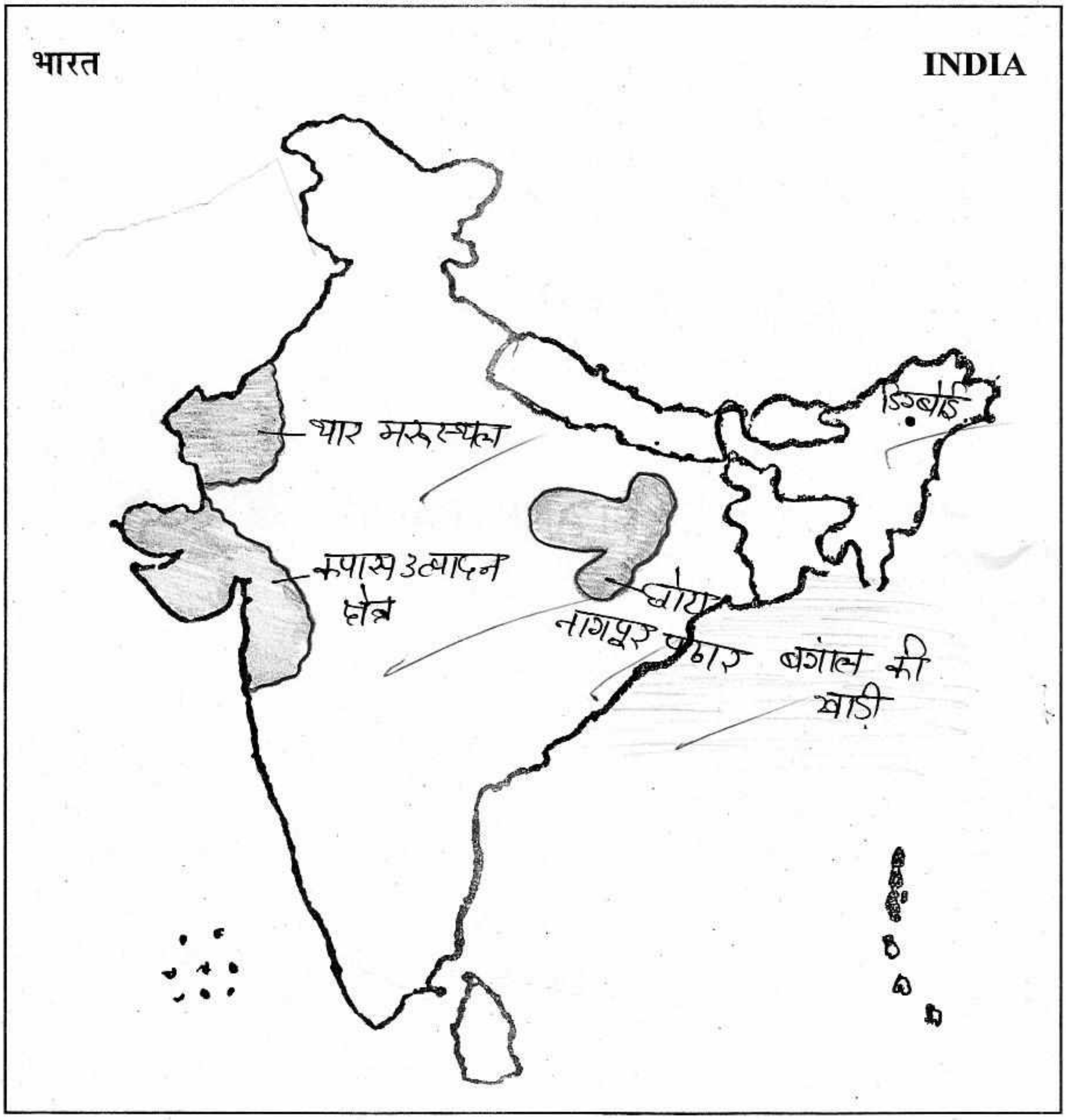

Contor no —

Roll No. ....

Question No. 19

प्रश्न

M P B S E